النفير

अन-नफीर जागरूकता बुलेटिन, अंक- 43

धू अल-क़ीदा 1446

(ऐ रसूल) कह दो कि जो शख्स गुमराही में पड़ा है तो खुदा उसको ढ़ील ही देता चला जाता है





यह इब्न ज़ायद है, फ़ारसी संस्करण, क्रूसेडर्स का सहयोगी, जिसका नाम एर्दोगन है। जब भी अल्लाह ने इस्लाम और जिहाद के लोगों के खिलाफ़ उसके युद्ध में उसे उजागर किया, तो वह अपने अपराध में डूबा रहा। अल्लाह ने उसे अफ़गानिस्तान पर युद्ध में ज़ायोनी-क्रूसेडर दुश्मन के साथ भाग लेकर अपमानित किया, और उसकी और उसके क्रूसेडर सहयोगियों की साजिश को उन पर वापस कर दिया, और उसकी चालाकी को उजागर किया जब वह क्रूसेडर नाटो गठबंधन की सेनाओं की हार के बावजूद विजयी होना चाहता था, जिसकी सेना को ज़ायोनी अमेरिका के बाद दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप क्रूसेडर्स के सहयोगी, एर्दोगन ने अफ़गानिस्तान में शांति बनाए रखने और अशरफ़ ग़नी के असफल, भगोड़े कठपुतली राज्य के साथ वार्ता की सफलता सुनिश्चित करने के बहाने अपने हज़ारों सैनिकों को बगराम बेस में रखने की चालाक योजना पेश की। हालाँकि, इस्लामी अमीरात के नेतृत्व ने - जिसने दशकों से पाखंड के लोगों और उनकी चालाकी की जांच, अभ्यास और अनुभव किया है - इस विश्वासघाती धोखे को पूरी तरह से अस्वीकार करने की पहल की, और यहां तक कि उस समय विश्वासघाती धोखेबाज के उसके पास आने और तुर्की आने के निमंत्रण को भी अस्वीकार कर दिया, और अपनी भूमि को स्वतंत्र कराने और अपनी भूमि पर शरीयत स्थापित करने की दिशा में काम करना जारी रखा, अल्लाह की प्रशंसा हो।

मुस्लिम ब्रदरहुड के सहयोगी मिस्र का धोखा फिर से दोहराया नहीं गया है। अपने क्षेत्रीय संघर्षों में उनका शोषण और उपनिवेशीकरण करने के बाद, क्षेत्र में प्रभाव को मजबूत करने के लिए, उसने







अरबों के शैतान इब्न जायद और अल-सऊद के दुष्ट बेटे इब्न सलमान के साथ शर्मनाक और अपमानजनक सौदे करके उन्हें कौड़ियों के भाव बेच दिया। उसने लीबिया में भी यही किया। त्रिपोली के क्रांतिकारियों के साथ हफ़्तार से लड़ने के बाद, वह उन्हें युद्ध अपराधी के साथ मिला रहा है ताकि भविष्य में लीबिया पर शासन करने के लिए उसके साथ गठबंधन कर सके। फिर वह कसाई हफ़्तार की राजधानी बेंगाज़ी में अपनी परियोजनाएँ स्थापित कर रहा है और लीबिया में मुसलमानों की संपत्ति चुराने के लिए व्यापार और निवेश समझौते कर रहा है। धर्मयुद्ध करने वालों के धोखेबाज सहयोगी के लिए केवल उसके आर्थिक हित मायने रखते हैं, भले ही वे इस्लामी राष्ट्र के लोगों की कीमत पर हों, जिन्होंने कभी अत्याचारियों, हमलावरों और चरमपंथियों के अन्याय से खुद को मुक्त करने के बारे में सोचा था। अल्लाह की कृपा से उसने सीरिया में धर्मयुद्ध करने वालों के सहयोगी की बुराई को कम कर दिया है, जिसने अनजाने में अस्ताना षड्यंत्र और उसके परिणामों के साथ मिशन को पूरा करने की कोशिश की, और दमिश्क में "बैरल और ड्रग्स के राज्य" के गुर्गों के साथ गुप्त और सार्वजनिक रूप से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू की, ताकि भविष्य में किसी भी समझौते में अपने हितों की गारंटी हो, भले ही वे सीरिया में सैकड़ों हजारों शहीदों और लाखों घायल और विस्थापित लोगों की कीमत पर हों। लेकिन अल्लाह ने गद्दार के प्रयासों को विफल कर दिया, और हवाएँ उस दिशा में बह गईं जहाँ उसके जहाज़ नहीं चाहते थे। लेकिन अल्लाह ने दमिश्क के अत्याचारी से उत्पीड़ितों को बचाया। फिर भी, नीच व्यक्ति ने अपनी नीच प्रकृति को दिखाने के अलावा कुछ भी करने से इनकार कर दिया, इसलिए उसने विजेता की भूमिका निभाते हुए पश्चिम में अपने एजेंट और अपने पूर्व खुफिया प्रमुख को दमिश्क भेजा। उसने बिना किसी शर्म के, और यहाँ तक कि गर्व के साथ, अपने महल के प्रांगण में घोषणा की कि वह अल-शाम में अल-कायदा के मुजाहिदीन और नेताओं की हत्या करने के लिए वैश्विक बेवफाई के खुफिया हलकों के लिए एक जासूस के रूप में काम कर रहा था, जैसे कि वे वही थे जो दमिश्क के महल से शासन कर रहे थे। जासूस भूल गया कि इन मुजाहिदीन और नेताओं और उनके बाकी मुजाहिदीन भाइयों का खून अल-शाम को आजाद कराने की खातिर बहाया गया था, उस समय जब वह और उसका मालिक जिहाद और मुजाहिदीन के खिलाफ साजिश कर रहे थे; यह साजिश आज भी जारी है, तुर्की ने घोषणा की है कि दक्षिणी सीरिया के हड़पने वाले इजरायल





के साथ संघर्ष से बचने के लिए बातचीत सामान्यीकरण नहीं है। हाँ, वे सामान्यीकरण नहीं हैं, बल्कि देशद्रोह हैं। यह एर्दोगान है... हम उसके शर्मनाक कामों को कैसे भूल सकते हैं? वह ईसाई धर्मयुद्धियों का सहयोगी और अपराधी ज़ायोनी यहूदियों का समर्थक है। उसने मुजाहिदीन प्रवासियों को उनके देशों के अत्याचारियों को सौंप दिया ताकि वे उन्हें भयानक यातनाएँ दे सकें। फिर उसने उनके नेताओं को अपने ज़ायोनी-धर्मयुद्ध सहयोगी अमेरिका को सौंप दिया, ताकि वे ग्वांतानामो की गहराइयों में गायब हो जाएँ। अल्लाह हमारे लिए पर्याप्त है, और वह मामलों का सबसे अच्छा निपटारा करने वाला है। वह धर्मयुद्धियों का सहयोगी है, एर्दोगान, जिसने अमेरिका के धर्मयुद्धियों, अफ्रीका के धर्मयुद्धियों और सोमाली शेरों के खिलाफ़ उनकी लड़ाई में सरदारों के साथ भाग लेकर अपनी आपराधिकता को बढ़ाया, और उनके खिलाफ़ बेराकटार ड्रोन भेजे, आम मुसलमानों पर बमबारी की जो शरिया और उसके न्याय के शासन में रहने से संतुष्ट थे, खासकर जब वे पिछले रमज़ान में अपनी मस्जिदों में तरावीह की नमाज़ पढ़ रहे थे। यह सब इस्लाम के लोगों को दो पलायन की भूमि में शरिया स्थापित करने से रोकने के लिए है, और सोमालिया की संपत्ति को चुराने, उनके तटों पर कब्जा करने और बिना किसी जवाबदेही या निगरानी के उनके संसाधनों को लूटने के लिए है। फिर वह सोमालिया की धर्मत्यागी सरकार के साथ इस लूट को वैध बनाने के लिए समझौते और अनुबंध करता है। और अल्लाह की कसम, यह उन लोगों का वादा है जो इसके हकदार नहीं हैं। वह दो पलायन की भूमि में इथियोपियाई क्रूसेडर सैनिकों को मजबूत करना चाहता है, क्योंकि उसने सोमालिया में अपने एजेंटों को उनके साथ समझौता करने और उन्हें समुद्र पर बस्तियाँ सौंपने का आदेश दिया था ताकि वे सोमालिया में मुसलमानों की भूमि पर अपने कब्जे का विस्तार कर सकें। उसने मिस्र में मुसलमानों के पहले दुश्मन और ज़ायोनीवादियों के सहयोगी अबू अहमद का समर्थन करने के लिए सोमालिया में मुसलमानों से लड़ने में सीसी के मूर्ख धर्मत्यागियों की भी मदद की। सोमालिया में धर्मयोद्धाओं के सहयोगी का नवीनतम शर्मनाक कृत्य, वहां एक अभियान के लिए उसका आदेश है, जिसमें वह अपने प्रेमी और सहयोगी, मूर्ख ट्रम्प को सोमालिया के बंदरगाहों और हवाई अड्डों की पेशकश करेगा, ताकि वह परम दयालु के संरक्षकों, दो प्रव्रजनों की भूमि के लोगों का सामना करने में उनके लिए अपना समर्थन बढ़ा सके, जो अल्लाह की इच्छा से, देशद्रोही और उसके धर्मत्यागी







एजेंटों और उनके धर्मयोद्धा सहयोगियों को बाहर निकाल देंगे, जैसा कि अफगानिस्तान में उनके पूर्वजों के बारे में कहा गया था।

वह अत्याचारी और दमनकारी धर्मयोद्धाओं का सहयोगी है, इसलिए उसने अपने ड्रोन भेजे और सीरिया, तुर्की और अन्य देशों से भाड़े के सैनिकों की सेना को इस्लाम के मगरेब में इस्लाम के लोगों से लड़ने के लिए भेजा। उसने वैगनर के अपराधियों, धर्मयोद्धाओं के साथ मिलकर नाइजर, माली और बुर्किना फासो में हमारे लोगों के खिलाफ़ उनके नरसंहार में भाग लिया। शायद धर्मयोद्धाओं के सहयोगी ने अपना रास्ता खो दिया है और सोचा है कि उसने उन्हें गाजा में हमारे लोगों की रक्षा के लिए सिय्योन के बेटों से अपने सहयोगियों से लड़ने के लिए भेजा है, माननीय गाजा। क्रूसेडर्स के सहयोगी की एकमात्र चिंता कमज़ोर लोगों का सोना और उनकी बची हुई संपत्ति चुराकर अपनी ढहती अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना है, मानो तट के ग़रीब लोग ही हैं जिन्होंने उसके देश की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने और उसे उखाड़ फेंकने की साज़िश रची है, न कि अमीरात और सऊदी अरब के शासक, जिनके साथ उसने ब्रदरहुड के साथ विश्वासघात के बदले में समझौता किया था, जिसमें उसने निवेश किया और उनके ख़िलाफ़ भड़काया जब तक कि वह अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर लिया और उन्हें सस्ते दामों पर बेच नहीं दिया। अमीरात और सऊदी अरब से कुछ अरब डॉलर का निवेश उन लोगों से मुंह मोड़ने के लिए पर्याप्त था जो मानते थे कि वह उनका सहयोगी है और उन्हें निराश नहीं करेगा। एक सम्माननीय शेख ने सही कहा था: "यह सच है कि कहा जाता था कि राज्य बंजर है क्योंकि यह संबंधों को तोड़ता है, लेकिन आज राज्य इसलिए बांझ है क्योंकि यह धर्म को काटता है..." और इस्लामी मगरेब में हस्तक्षेप करने वाले दुष्ट क्रूसेडरों के सहयोगी का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य अपने लोगों को उनकी भूमि पर शरिया स्थापित करने से रोकना है, क्योंकि वह अल्लाह की किताब और उसके रसूल की सुन्नत के आधार पर किसी भी सच्चे इस्लामी प्रोजेक्ट की सफलता को बर्दाश्त नहीं कर सकता है, ताकि तुर्की में शरिया के समर्थकों द्वारा उससे ऐसा करने की मांग न की जाए और एर्दोगन का धर्मनिरपेक्ष इस्लाम एक ऐसा मॉडल बना रहे जिसका अनुकरण किया जाना चाहिए, और हम अल्लाह से शिकायत करते हैं।

अल्लाह गाजा और उसके लोगों के साथ था, क्योंकि अल्लाह ने उसे इसके ज़रिए अपमानित किया, यहाँ तक कि उसके समर्थकों और प्रेमियों के बीच भी। पिछले चुनावों में जब उसका असली चेहरा उनके



सामने आया, तो उन्होंने उसे हल्की सज़ा दी, और यह कि वह सिर्फ़ उन लोगों की एक मुखर घटना के अलावा कुछ नहीं है जो वो कहते हैं जो वो नहीं करते। जिस समय वो अपने यहूदी और ईसाई सहयोगियों के अपराधों की निंदा करता है, उसी समय वो उन्हें गाजा में हमारे लोगों को खत्म करने के लिए ज़ायोनी सेना को हर वो चीज़ मुहैया कराता है जिसकी ज़रूरत होती है। जब उसका मामला उजागर हुआ और उसकी शर्मिंदगी साफ़ हो गई, तो वो अपने अपराध को सही ठहराने के लिए सामने आया। काश वो चुप रहता। उसने कहा कि वो ज़ायोन के बेटों को हथियार नहीं भेजता। क्या खाना, पीना, गैस, तेल, कपड़े और वो सब कुछ भेजना जायज़ है जिसकी ज़ायोनी सेना को ज़रूरत है, ओ ज़ायोन के बेटों के दोस्त? और उसके शर्मनाक कामों में से आखिरी काम हमास नेतृत्व पर उनके कैदियों को रिहा करने और अपने लोगों के विनाश के युद्ध को रोकने के लिए बातचीत में दबाव डालना था। उनके सहायकों ने घोषणा की कि यदि फिलिस्तीनी मुजाहिदीन को 1967 की सीमाओं पर राज्य स्थापित करने की अनुमति दी गई तो वे अपने हथियार डालने के लिए तैयार हैं। अल्लाह की कसम, क्या कोई ऐसा व्यक्ति जिसके दिल में ईमान, ईमानदारी और इस्लाम का एक कण भी हो, ऐसे समय में ऐसे शब्द कहेगा? और क्या मुजाहिदीन का समर्थन करना और उनके पक्ष में खड़ा होना उनके संकल्प को कमजोर करेगा, या उनके प्रतिरोध को खराब करेगा, और उनके मनोबल को नष्ट कर देगा, जब उन्हें अल-अक्सा मस्जिद और कैदियों को आजाद कराने के लिए पैसे और हथियारों के साथ उनका समर्थन करने वाले किसी व्यक्ति की सख्त जरूरत है? हम अल्लाह सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करते हैं कि वह क्रॉस के सहयोगियों के क्रोध और फिलिस्तीन के प्रति उसके सहयोगियों के क्रोध को रोके और उसके प्रति उनकी बुराइयों को रोके।

अंत में, हमने संकोच किया - और अल्लाह जानता है और गवाह है - क्रॉस के सहयोगी, एर्दोगान और उनकी खुफिया सेवा के अपराधों में से एक भी अपराध को उजागर करने के लिए। यह हमारे दिल और हर जीवित मुसलमान के दिल को छूने वाले सबसे गंभीर अपराधों में से एक है। हालाँकि, बुराई और पाखंड के लोगों को उजागर करना और उनके और उनके अपराधों के खिलाफ चेतावनी देना, खासकर जब तुर्की के प्रमुख जासूस ने दमिश्क महल के प्रांगण में अपनी ज़बान से इसे स्वीकार किया, एक अपरिहार्य दायित्व है। इस्लाम के लोगों को सलाह देने का कर्तव्य धर्म में अनिवार्य है।



विवेक, शिष्टता और गरिमा से रहित अपराधी ने मुजाहिदीन के कुछ अनाथों और बच्चों का शोषण किया, उनके नैतिक मूल्यों को भ्रष्ट करके और उन्हें अपनी खुफिया सेवाओं के गलियारों में अनैतिकता के दलदल में धकेल दिया, जिसके उदाहरण इतने शर्मनाक हैं कि उनका उल्लेख करना भी शर्मनाक है, ताकि उन्हें सभी सीमाओं और क्षेत्रों में जिहाद के लोगों के खिलाफ जासूस के रूप में भर्ती किया जा सके, जो कि पाकिस्तान की खुफिया सेवा द्वारा निभाई जा रही ड्यूटी को पूरा करता है। इसलिए, हे अल्लाह, उसका और उसकी खुफिया सेवा का ख्याल रखना। ऐ अल्लाह, अपने मुजाहिदीन बंदों से उसके क्रोध और धोखे को रोक दे। ऐ अल्लाह, उन्हें गिनकर एक-एक करके मार डाल और उनमें से एक को भी न बख्श। इस संबंध में, हम आम तौर पर हर मुसलमान और खास तौर पर हर विद्वान और उपदेशक से अपील करते हैं कि वे इसके खिलाफ़ चेतावनी दें। धोखेबाज़ पाखंडी ज़ायोनीवादियों और धर्मयुद्धियों का सहयोगी है। हम राष्ट्र से उसके अपराधों से लड़ने और उसके भ्रष्टाचार का सामना करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि बाढ़ अपनी सीमा तक पहुँच चुकी है।

وسيعلمُ الَّذِينَ ظَلَمُوا أَي مُنقَلَبٍ يَنقَلِبُونَ

जो लोग गलत करते हैं, उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा कि उन्हें क्या अंतिम प्रतिफल मिलेगा।

والحمد لله رب العالمين

दुनिया के रब अल्लाह की स्तुति हो।

*****